PKL NO.KKR/184/2024-26
हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र
सच्ची व स्टीक खबर, आप तक
सम्पादक : जरनैल सिंह
सह संपादिका : सृष्टि देवी
छायाकार : राजरानी

ज्ञान विचार

'मैं' श्रेष्ठ हूं, यह आत्मविश्वास है, लेकिन सिर्फ 'मैं' ही श्रेष्ठ हूं, यह अहंकार है।

गजब हरियाणा

Contact : 91382-03233
WWW.GAJABHARYANA.COM ✸ 01 सितम्बर 2025 वर्ष : 8, अंक : 11 पृष्ट : 4 मूल्यः 7/- सालाना 150/- रुपये ✸ email. gajabharyananews@gmail.com

प्रधानमंत्री ने संविधान को तो खत्म नहीं किया पर जनता ने कांग्रेस को देश से जरूर खत्म कर दिया: नायब सिंह सैनी

जल्द ही प्रदेश में पुलिस विभाग में सिपाही पदों की होगी भर्ती, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गांव पटाक माजरा में विकास के लिए की 21 लाख रुपए देने की घोषणा

गजब हरियाणा न्यूज
डॉ जरनैल रंगा

लाडवा/कुरुक्षेत्र । हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि संविधान की पुस्तक को सिर पर उठाकर विपक्ष ने भ्रम फैलाने का काम किया कि यदि तीसरी बार नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने तो इस संविधान को खत्म करेंगे, संविधान तो खत्म नहीं हुआ, परंतु जनता ने कांग्रेस को देश से जरूर खत्म कर दिया। अब विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है। ऐसे में कांग्रेस पार्टी झूठ फैलाने का काम कर रही है। जनता ने कांग्रेस को पूरी तरह से नाकार दिया है। चुनाव में हारने के बाद ये पहले ईवीएम को दोष देते थे, जबकि यह एक पारदर्शी व्यवस्था है, जिसे वोट देंगे वोट उसी को ही जाएगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 24 अगस्त रविवार को कुरुक्षेत्र के गांव पटाक माजरा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों द्वारा रखी गई सभी मांगों को संबंधित विभाग के पास भेज कर पूरा करवाने का आश्वासन दिया और साथ ही पंचायत के कामों के लिए 21 लाख रुपए देने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विधानसभा में कुछ विपक्ष के लोग विवाद खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं। हम हर बिंदु पर चर्चा के लिए तैयार हैं। पिछले 11 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में समान विकास तेज गति से करते हुए देश को आगे बढ़ाया है। इसी काम की बदौलत दुनिया में भारत

का नाम हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले सप्ताह 2000 करोड़ की दो परियोजनाएं प्रदेश के लिए दी हैं। जिससे प्रदेश के विकास को गति मिलेगी और लोगों को बेहतर कनैक्टिविटी की सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि चुनाव के दौरान हमने संकल्प पत्र में 217 वायदे किए थे। अब तक सरकार ने संकल्प पत्र के 41 वायदों को पूरा कर लिया है और इस वर्ष के अंत तक 90 और वायदे पूरे हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान युवाओं को बिना पर्ची -खर्ची के नौकरी देने का वायदा, जब सरकार पूरा कर रही थी, तब विपक्ष के लोगों ने चुनाव आयोग और कोर्ट में जाकर रिजल्ट रुकवा दिए। चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद मैंने मुख्यमंत्री पद की शपथ बाद में ली, पहले वायदे को पूरा करते हुए युवाओं को उनके विभिन्न पदों पर ज्वाइन करवाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कोई भी व्यक्ति किडनी के डायलिसिस के लिए अपनी तरफ से खर्च न करें, इसके लिए सरकार ने सभी सरकारी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और मेडिकल यूनिवर्सिटी में डायलिसिस की मुफ्त सुविधा मुहैया करवाई।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गांव के जिन लोगों के पास पंचायती भूमि पर मकान बने हुए थे, उन पर हमेशा कोर्ट की तलवार लटकी रहती थी। ऐसे परिवारों को वर्ष 2004 के कलेक्टर रेट पर रजिस्ट्री करवाकर उन्हें मकान का मालिकाना हक प्रदेश सरकार ने दिया है। हमने किसानों को उनकी फसल एमएसपी पर खरीदने की घोषणा की थी इस वायदे को पूरा करते हुए प्रदेश सरकार ने अधिसूचना जारी की और हरियाणा देश का ऐसा पहला राज्य बना है, जहां पर किसानों की सभी फसलों को एमएसपी पर खरीदा जा रहा है। इसी तरह सब्जी के किसानों को भावांतर भरपाई योजना के तहत लाभ दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हाल ही में सरकार ने बिना भूमि वाले 5000 परिवारों को 100- 100 गज के प्लांट आवंटित किए हैं और दूसरे फेस के लिए आवेदन मांगे जा रहे हैं। लंबे समय से बिजनेस नहीं कर पा रहे प्रजापति समाज के लोगों को गांवों में भूमि देने के साथ अधिकार प्रमाण पत्र भी बांटे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गांव में 24 घंटे बिजली देने का काम कर रही है जबकि कांग्रेस की सरकार में दिनभर में मात्र चार घंटे बिजली कटो में मिलती थी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जल्द ही प्रदेश में पुलिस विभाग में सिपाही पदों की भर्ती निकाली जाएगी, जिसकी योजना बनाई जा रही है। युवा मेहनत करें। नौकरियों में भर्ती पूर्ण पारदर्शी तरीके से होंगी। गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री का जोरदार स्वागत किया।

फरीदाबाद रोड पर युवक का शव मिला

पुलिस ने बताया आत्महत्या, परिजन बोले: 'हत्या'

गजब हरियाणा न्यूज/गुरावा

गुरुग्राम । फरीदाबाद रोड पर खुशबू चौक के पास एक सुनसान जगह पर 22 वर्षीय युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक का सिर पेड़ से एक दुपट्टे से लटका हुआ था, जबकि धड़ के टुकड़े आस-पास बिखरे हुए थे। मृतक के हाथ और पैर भी धड़ से अलग पड़े थे। पुलिस ने इसे आत्महत्या का मामला बताया है, जबकि परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है।

पुलिस का कहना है कि युवक ने दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या की है और उसके बाद जंगली जानवरों ने उसके धड़ को नोच डाला, जिससे शव की ऐसी हालत हो गई। हालांकि, मृतक के परिवार ने इसे सिरे से खारिज कर दिया है। उनका आरोप है कि युवक को मारकर लटकाया गया है और उसके सिर को एक लड़की के दुपट्टे से बांधा गया था। परिजनों ने पुलिस से हत्या के तहत मामला दर्ज करने की मांग की है।

3 अगस्त से लापता था मृतक राकेश मंडल

मृतक की पहचान बिहार निवासी 22 वर्षीय राकेश मंडल के रूप में हुई है, जो दिल्ली में रहता था और गुरुग्राम में राजमिस्त्री का काम करता था। डीएलएफ फेज-1 थाने के प्रभारी एसएचओ राजेश बागड़ी के अनुसार, राकेश 3 अगस्त से लापता था।

राकेश के ममेरे भाई संजय के मुताबिक, राकेश 3 अगस्त को एक लड़की से मिलने गुरुग्राम आया था और उसने अपनी लोकेशन भी उस लड़की को भेजी थी। उसके बाद से ही वह लापता था। जब राकेश घर नहीं लौटा, तो परिवार ने उसकी तलाश शुरू की। 21 अगस्त को उन्होंने उस लड़की से दोबारा संपर्क कर राकेश की आखिरी लोकेशन ली।

पुलिस पर लापरवाही का आरोप, फेसबुक आईडी का हुआ नामकरण

संजय ने बताया कि लोकेशन मिलने के बाद वे डीएलएफ थाने गए, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। बाद में वे दिल्ली के शादीपुर थाने भी गए, लेकिन वहां भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। संजय का आरोप है कि पुलिस अधिकारी के कहने पर उन्हें खुद उस लोकेशन पर जाकर शव खोजना पड़ा। संजय ने पुलिस को यह भी बताया कि राकेश के लापता होने के बाद उसकी फेसबुक आईडी से लगातार मैसेज आ रहे थे, और 23 अगस्त को उसकी आईडी का नाम बदलकर %बिक्की कुमार% कर दिया गया। संजय को शक है कि राकेश की आईडी का इस्तेमाल करने वाला व्यक्ति उसकी हत्या में शामिल हो सकता है।

इस मामले में पुलिस ने लड़की और उसके परिवार को थाने बुलाया था। पूछताछ में लड़की ने बताया कि वह पिछले 5 साल से राकेश के साथ

रिश्ते में थी और 3 अगस्त को मिलने के बाद राकेश वहां से चला गया था। एसएचओ राजेश बागड़ी ने बताया कि शनिवार को शव का पोस्टमार्टम करवा दिया गया है और अगर पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कुछ भी संदिग्ध पाया जाता है, तो इस मामले में हत्या की कार्रवाई की जाएगी।

10 साल पुराने आधार कार्ड को अपडेट करवाना आवश्यक : उत्तम सिंह

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार कार्ड को फ्री में अपडेट करने की तारीख को बढ़ाकर 14 जून 2026 कर दिया है। यह मुफ्त सेवा केवल माय आधार पोर्टल पर उपलब्ध है।

उन्होंने बताया कि आधार कार्ड अपडेट कराने के लिए नागरिकों को अपना डेमोग्राफिक डाटा, पता, डेट ऑफ बर्थ, मोबाइल नंबर आदि की जरूरत पड़ेगी। आधार अपडेट के लिए नाम, जन्मतिथि, रिहायशी प्रमाण पत्र या अन्य निर्धारित पहचान पत्र ऑनलाइन अपलोड करना होगा। डेडलाइन खत्म होने के बाद आधार अपडेट के लिए शुल्क देना होगा। ऑनलाइन अपडेट की सुविधा सिर्फ उन्हीं लोगों के लिए है, जिनका मोबाइल नंबर उनके आधार से लिंक है।

उपायुक्त ने बताया कि सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में आधार कार्ड सबसे अहम दस्तावेज है और 10 साल पुराने आधार कार्ड को अपडेट करवाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि यूआईडीएआई द्वारा आधार कार्ड को अपडेट करवाने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 14 जून 2026 कर दिया गया है। नागरिक स्वयं भी http://uidai.gov.in/ वेबसाइट पर जाकर अपना आधार कार्ड अपडेट कर सकते हैं। इसके अलावा किसी भी सीएससी व आधार सेंटर पर जाकर अपना आधार कार्ड अपडेट करवाया जा सकता है।

हुड्डा पिता-पुत्र की मिलीभगत से बनी तीसरी बार भाजपा सरकार: अभय चौटाला

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

नीलोखेड़ी । इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने सोमवार को नीलोखेड़ी में आयोजित एक कार्यक्रम में भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उनके बेटे दीपेंद्र सिंह हुड्डा पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दोनों की मिलीभगत के कारण ही हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। चौटाला यहां 25 सितंबर 2025 को रोहतक में होने वाले चौधरी देवीलाल की जयंती पर आयोजित सम्मान दिवस महारैली का न्योता देने आए थे।

अभय सिंह चौटाला ने हरियाणा की कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था का दिवाला निकल चुका है और कोई भी सुरक्षित नहीं है। हाल ही में हुए मनीषा हत्याकांड पर उन्होंने कहा कि सरकार ने भले ही सीबीआई जांच की सिफारिश की हो, लेकिन इससे कुछ नहीं होने वाला, क्योंकि 'सबकी मिलीभगत है।' उन्होंने पूर्व प्रदेशाध्यक्ष नफे सिंह राठी के मामले का हवाला देते हुए सरकार से पूछा कि सीबीआई जांच में अब तक क्या प्रगति हुई है।

इनेलो ही 'कमेरे वर्ग' का भविष्य: रामपाल माजरा

इस मौके पर इनेलो प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा का असली भविष्य कमेरे वर्ग की सरकार यानी इनेलो की सरकार बनने पर ही बन सकता है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं और आम जनता को रोहतक की रैली में पहुंचने का निमंत्रण दिया।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुरजीत पहलवान ने की, जबकि मंच का संचालन पूर्व प्रत्याशी मुकेश ग्रोवर और कृष्ण कुटेल ने किया। कार्यक्रम का आयोजन किसान सेल के प्रदेश महासचिव कंवर सिंह बुटाना ने किया था। इस दौरान बड़ी संख्या में इनेलो कार्यकर्ता और नेता

मौजूद थे, जिनमें रामकुमार ऐबला, फूल सिंह मंजूरा, धर्मवीर सिंह पाढ़ा, और मनिंदर सिंह पुनिया समेत अन्य पदाधिकारी शामिल थे।

एच-1बी वीजा पर संकट, 'अमेरिकन ड्रीम' को झटका

वाशिंगटन/ दिल्ली । भारतीय पेशेवरों का अमेरिका में बसने और काम करने का सपना खतरे में पड़ सकता है। दशकों से भारतीयों को अमेरिकन ड्रीम पूरा करने का मौका देने वाला एच-1बी वीजा प्रोग्राम अब अमेरिकी नेताओं के निशाने पर है। अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक और फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस जैसे प्रभावशाली व्यक्ति इस कार्यक्रम को धोखाधड़ी (scam) बता रहे हैं, जिससे इस वीजा के भविष्य पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

क्या है एच-1बी वीजा पर आपत्ति?

हावर्ड लुटनिक ने हाल ही में फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि मौजूदा एच-1बी वीजा प्रणाली एक घोटाला है। उनका मानना है कि यह वीजा विदेशी कर्मचारियों को अमेरिकी नागरिकों की नौकरी छीनने का मौका देता है। वे जोर देकर कहते हैं कि अमेरिकी कंपनियों को प्राथमिकता से अमेरिकी कर्मचारियों को ही नियुक्त करना चाहिए। लुटनिक ने यह भी सुझाव दिया है कि एच-1बी वीजा को वेतन के आधार पर जारी किया जाना चाहिए। इसका मतलब है कि

जिस विदेशी कर्मचारी को अमेरिकी कंपनी सबसे ज्यादा वेतन देगी, उसे वीजा मिलने की संभावना सबसे ज्यादा होगी। यह बदलाव भारत जैसे देशों के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकता है, क्योंकि अक्सर भारतीय पेशेवरों को अमेरिका में कम वेतन पर काम करने के लिए जाना जाता है।

'गोल्ड कार्ड' प्लान: अमीरों के लिए दरवाजा

एच-1बी वीजा कार्यक्रम में बदलाव के साथ-साथ, लुटनिक ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गोल्ड कार्ड प्लान को फिर से चर्चा में ला दिया है। इस योजना के तहत, अमेरिका में स्थायी निवास (ग्रीन कार्ड) केवल उन्हीं विदेशी नागरिकों को मिलेगा जो कम से कम 5 मिलियन डॉलर का निवेश करने के लिए तैयार होंगे। यह एक बड़ा बदलाव होगा क्योंकि वर्तमान में ग्रीन कार्ड विभिन्न श्रेणियों जैसे परिवार और रोजगार के आधार पर भी मिलता है। यदि यह योजना लागू होती है, तो यह स्पष्ट है कि अमेरिका अपनी स्थायी निवास नीति को केवल अमीर और निवेशक वर्ग तक सीमित करना चाहता है।

भारतीयों पर संभावित असर

एच-1बी वीजा कार्यक्रम में बदलाव से सबसे ज्यादा असर भारतीय आईटी और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों पर पड़ेगा। भारतीय वर्कर्स दशकों से इस वीजा के जरिए अमेरिका में अपनी जगह बनाते आए हैं। अगर एच-1बी वीजा पर सख्ती होती है या इसे पूरी तरह से खत्म कर दिया जाता है, तो यह अमेरिका जाने के इच्छुक लाखों भारतीय पेशेवरों के लिए एक बड़ा झटका होगा। यह न केवल उनके करियर बल्कि अमेरिकन ड्रीम को भी खत्म कर देगा, जिसे उन्होंने वर्षों से संजोया है। यह स्थिति भारत के लिए भी एक चिंता का विषय है, क्योंकि अमेरिका में काम करने वाले पेशेवर भारत में बड़ी मात्रा में पैसा भेजते हैं, जो देश की अर्थव्यवस्था में योगदान करता है।

नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा आयोजित नवीन संकल्प शिविरों में 84 लोगों को पहुंचाया लाभ

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

लाडवा । सांसद नवीन जिन्दल की ओर से आयोजित नवीन संकल्प शिविरों द्वारा लाडवा हल्के के गांव शहजादपुर और जोगी माजरा में 84 ग्रामीणों को लाभान्वित किया गया। इन नवीन संकल्प शिविरों में लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित किया गया जबकि कई आवेदन यशस्वी योजना से संबंधित शिविर में पहुंचे।

सांसद कार्यालय के प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प के लिए सांसद नवीन जिन्दल प्रयासरत हैं। उन्होंने बताया कि इसी के चलते उनके द्वारा कुरूक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में प्रत्येक वर्ग के लिए लाभकारी योजनाएं चलाई गई हैं। नवीन जिन्दल फाउंडेशन के सौजन्य से आज दोनों गांवों में लोगों को स्वास्थ्य लाभ के साथ- साथ अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई।

संपादकीय.....

भारत में बढ़ती हिंसा, धर्म की ज़मीन पर नैतिक मूल्यों का पतन

भारत, जिसे 'देवी-देवताओं की भूमि,' 'ऋषि-मुनियों का देश,' और विभिन्न धार्मिक समुदायों का संगम कहा जाता है, आज एक विरोधाभास का सामना कर रहा है। एक तरफ, हम धर्म और आध्यात्मिकता की बात करते हैं, हर गली-मोहल्ले में मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे और चर्च हैं, जहाँ प्रेम, दया और सम्मान का उपदेश दिया जाता है। दूसरी तरफ, हमारे समाचारों की सुर्खियाँ रोज़ाना नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण, महिलाओं पर अत्याचार, और जघन्य अपराधों से भरी रहती हैं। यह एक गंभीर सवाल है कि अगर हमारे समाज की नींव धर्म और आध्यात्मिकता पर टिकी है, तो फिर यह कमी कहाँ है? यह सिर्फ़ एक सामाजिक समस्या नहीं है, बल्कि हमारे सामूहिक विवेक पर एक गहरा प्रश्नचिन्ह है।

यह विडंबना है कि जिस समाज में हम कन्या पूजन करते हैं, देवियों की पूजा करते हैं, वहीं हमारी ही लड़कियों और महिलाओं को असुरक्षित महसूस करना पड़ता है। यह दिखाता है कि हमारे धार्मिक उपदेश और हमारे वास्तविक आचरण के बीच एक बड़ी खाई है। हम धार्मिक अनुष्ठानों को तो मानते हैं, लेकिन उनके पीछे छिपे नैतिक और मानवीय मूल्यों को भूल गए हैं। धर्म हमें सिखाता है कि सभी मनुष्यों का सम्मान करें, खासकर उन लोगों का जो कमजोर हैं। लेकिन जब यही उपदेश सिर्फ़ रस्म-रिवाज बन कर रह जाते हैं, तो समाज में हिंसा और क्रूरता का बढ़ना स्वाभाविक है।

महिलाओं पर अत्याचार की जड़ें हमारे पितृसत्तात्मक समाज में गहराई तक जमी हुई हैं। सदियों से चली आ रही यह सोच कि पुरुष श्रेष्ठ हैं और महिलाएँ उनके अधीन हैं, हिंसा का एक प्रमुख कारण है। धर्म ने भी कई बार इस पितृसत्तात्मक सोच को पुष्ट किया है, जिससे महिलाओं को कमज़ोर और पुरुषों की संपत्ति समझा जाने लगा है। इस मानसिकता को बदलने की सख्त ज़रूरत है। हमें अपने लड़कों को बचपन से ही यह सिखाना होगा कि महिलाओं का सम्मान करना, उनकी सहमति का महत्व समझना और उन्हें बराबरी का दर्जा देना कितना ज़रूरी है। यह एक सांस्कृतिक बदलाव की लड़ाई है जो सिर्फ़ कानून से नहीं जीती जा सकती, बल्कि शिक्षा और जागरूकता से ही संभव है।

आज, धर्म को अक्सर एक पहचान या राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, न कि नैतिक मार्गदर्शन के लिए। लोग धार्मिक होने का दिखावा करते हैं, लेकिन उनके दिल में घृणा, लालच और हिंसा भरी होती है। अगर हम वाकई अपने धार्मिक उपदेशों को गंभीरता से लेते, तो हमारे समाज में महिलाओं के प्रति ऐसा बर्ताव नहीं होता। यह समय है कि हम अपने अंतर्मन में झाँकें और यह स्वीकार करें कि असली कमी हमारे आचरण में है, हमारे नैतिक मूल्यों में है, न कि हमारे धार्मिक स्थलों की संख्या में।

यह एक सोच का विषय है, और इस पर सिर्फ़ बात करना ही काफी नहीं है। हमें सामूहिक रूप से इस समस्या का सामना करना होगा। हमें अपने धार्मिक नेताओं से सवाल पूछना होगा कि वे इन अपराधों पर खुलकर क्यों नहीं बोलते। हमें अपने बच्चों को सिर्फ़ धार्मिक अनुष्ठान सिखाने के बजाय दया, सम्मान और समानता के मूल्यों को सिखाना होगा। जब तक हम यह नहीं समझेंगे कि किसी भी धर्म का असली सार प्रेम और सम्मान है, तब तक हमारा समाज हिंसा की इसी खाई में धँसा रहेगा। यह समय है कि हम धार्मिक होने का दिखावा छोड़ें और सच में इंसान बनें।

अनुसूचित जाति व पिछड़ा वर्ग के छात्रों को मिलेगा आर्थिक सहयोग: डीसी पार्थ गुप्ता

हरियाणा सरकार ने शुरू की डॉ. अंबेडकर मेधावी छात्रवृत्ति योजना 2025-26, ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

मेधावी छात्रों को 12,000 रुपये तक मिलेगी छात्रवृत्ति, 31 जनवरी 2026 तक करें आवेदन

गजब हरियाणा न्यूज/ब्यूरो

यमुनानगर । उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बताया कि सामाजिक न्याय और अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा अल्पसंख्यक (सेवा) विभाग हरियाणा, पंचकूला द्वारा संचालित डॉ. अंबेडकर मेधावी छात्रवृत्ति संशोधित योजना वर्ष 2025-26 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। छात्र-छात्राएं इस योजना का लाभ उठाने हेतु आवेदन पत्र 15 अगस्त 2025 से 31 जनवरी 2026 तक पोर्टल https://saralharyana.gov.in पर जमा कर सकते हैं।

जिला कल्याण अधिकारी शीश पाल महला ने जानकारी दी कि शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर बढ़ती प्रतिस्पर्धा के युग में अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, विमुक्त घुमंतु, टपरीवास श्रेणी एवं अन्य वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों को अधिक से अधिक आर्थिक सहयोग एवं प्रोत्साहन प्रदान करने के उद्देश्य से यह योजना चलाई जा रही है। इस योजना के तहत पात्र छात्र-छात्राओं को उनकी श्रेणी, कक्षा तथा प्राप्तांक के आधार पर 8,000/- रुपये से 12,000/- रुपये तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

उन्होंने बताया कि निर्धारित मापदंडों के अनुसार अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को 10वीं कक्षा में शहरी क्षेत्रों में 70 प्रतिशत एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर 8,000 रुपये, 12वीं कक्षा में क्रमशः 75 प्रतिशत एवं 70 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर 8,000 रुपये से 10,000 रुपये तक, तथा स्नातक स्तर पर 65 प्रतिशत (शहरी) और 60 प्रतिशत (ग्रामीण) अंक प्राप्त करने पर 9,000 रुपये से 12,000 रुपये तक की छात्रवृत्ति दी जाएगी। इसी प्रकार, पिछड़ा वर्ग (ए) के विद्यार्थियों को 10वीं कक्षा में 70 प्रतिशत (शहरी) एवं 60 प्रतिशत (ग्रामीण) अंक प्राप्त करने पर 8,000 रुपये, पिछड़ा वर्ग (बी) के विद्यार्थियों को 10वीं कक्षा में 80 प्रतिशत (शहरी) एवं 75 प्रतिशत (ग्रामीण) अंक प्राप्त करने पर 8,000 रुपये तथा सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों को 10वीं कक्षा में 80 प्रतिशत (शहरी) एवं 75 प्रतिशत (ग्रामीण) अंक प्राप्त करने पर 8,000 रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

अब सिर्फ 24 घंटे में पाएं 'आयुष्मान कार्ड'

5 लाख तक का मुफ्त इलाज

गजब हरियाणा न्यूज

दिल्ली । बीमारियों का प्रकोप इंसानों पर सिर्फ शारीरिक रूप से ही नहीं पड़ता, बल्कि ये लोगों की आर्थिक स्थिति को भी बुरी तरह से प्रभावित करता है। इलाज पर होने वाले भारी खर्च से गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों को राहत देने के लिए भारत सरकार ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना शुरू की है। इस योजना के तहत, पात्र परिवारों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मुहैया कराया जाता है, और इसका लाभ उठाने के लिए आपके पास आयुष्मान कार्ड होना जरूरी है।

अब अच्छी खबर यह है कि इस कार्ड को बनवाना पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है। अगर आप इस योजना के पात्र हैं, तो आप महज 24 घंटे के भीतर अपना कार्ड बनवा सकते हैं।

कैसे करें आवेदन?

अगर आप इस योजना के लिए पात्र हैं और आपने अभी तक अपना आयुष्मान कार्ड नहीं बनवाया है, तो आप नीचे दिए गए सरल चरणों का पालन करके आवेदन कर सकते हैं=

सबसे पहले, आपको आयुष्मान भारत योजना की आधिकारिक वेबसाइट [एचटीटीपीएस=// बीईएनईएफआईसीआईएआरवाई डॉट एनएचए डॉट इन] पर जाना होगा।

वेबसाइट पर, आपको अपनी व्यक्तिगत जानकारी जैसे कि आधार कार्ड, राशन कार्ड और मोबाइल नंबर दर्ज करनी होगी।

सभी जानकारी सही-सही भरने के बाद, आपके मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी (OTP) आएगा।

ओटीपी दर्ज करके अपनी प्रक्रिया को पूरा करें।

एक बार आपका आवेदन सफलतापूर्वक जमा हो जाने के बाद, आपका वेरिफिकेशन किया जाएगा और आपका कार्ड बनकर तैयार हो जाएगा।

24 घंटे में मिलेगा कार्ड

आयुष्मान भारत योजना के तहत आवेदन जमा होने के बाद, आपको कार्ड का लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। सरकार ने इस प्रक्रिया को तेज कर दिया है, जिससे आपका कार्ड सिर्फ 24 घंटे के भीतर बनकर तैयार हो जाता है।

एक बार जब आपके पास यह कार्ड आ जाता है, तो आप इसका इस्तेमाल योजना में सूचीबद्ध किसी भी सरकारी या प्राइवेट अस्पताल में 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज पाने के लिए कर सकते हैं। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए एक बड़ी राहत है, जो उन्हें महंगे इलाज के बोझ से बचाती है।

अगर आप भी इस योजना के तहत पात्र हैं, तो जल्द से जल्द आवेदन करके इस महत्वपूर्ण सुविधा का लाभ उठाएं।

हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान को लेकर एसडीएम व्यासपुर ने की महत्वपूर्ण बैठक

गजब हरियाणा न्यूज/दीक्षित

जगाधरी । माननीय मुख्यमंत्री, हरियाणा सरकार द्वारा जारी निर्देशों के तहत, उपमंडल व्यासपुर में हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान की प्रगति को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। उपमंडल अधिकारी (एसडीएम) जसपाल सिंह गिल की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया और स्वच्छता से संबंधित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।

जनभागीदारी से बनेगा स्वच्छ व्यासपुर

एसडीएम व्यासपुर जसपाल सिंह गिल ने बैठक में सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि क्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाने का लक्ष्य केवल सरकारी प्रयासों से नहीं, बल्कि जनभागीदारी से प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर तक लोगों को इस अभियान में शामिल करना जरूरी है ताकि स्वच्छता एक जन आंदोलन का रूप ले सके।

ठोस कचरा प्रबंधन पर जोर

बैठक में ठोस कचरा प्रबंधन, सीवरेज व्यवस्था, सार्वजनिक स्थलों की सफाई, और पेयजल स्रोतों की स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विशेष रूप से चर्चा हुई। अधिकारियों ने शौचालयों के उपयोग को बढ़ावा देने और जागरूकता फैलाने पर भी सहमति जताई। एसडीएम ने सभी विभागों को आपसी तालमेल के साथ काम करने का निर्देश दिया ताकि अभियान को सफल बनाया जा सके। इस बैठक में नायब तहसीलदार दलजीत सिंह (खंड व्यासपुर), नायब तहसीलदार कुलदीप सिंह (साढौरा), बीडीपीओ आस्था गर्ग, एसएमओ शमा परवीन, खंड शिक्षा अधिकारी नरेश पाल, डॉ. सुभाष अहलावत (पशुपालन विभाग), सुरेंद्र मलिक (सचिव नगर पालिका सढौरा), किरण बाला (महिला एवं बाल विकास अधिकारी), और एएसआर हिमांशु सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

डीसी विश्राम कुमार मीणा ने रात को शहर में सफाई की व्यवस्था जानने के लिए किया निरीक्षण

बाजार में दुकानों के बाहर नहीं मिले डस्टबिन, अलग-अलग जगह सड़कों पर मिले मवेशी, अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के विजन और जिला प्रशासन के अभियान स्वच्छ कुरुक्षेत्र को पूरा करने के लिए अधिकारियों ने धरातल पर काम करना शुरू कर दिया है। इस कड़ी में रात के समय शहर की स्थित जानने के लिए उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने निरीक्षण किया और कमियां व खामियां मिलने पर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान नगराधीश आशीष कुमार भी साथ रहे।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि शहर में रखे हुए कूड़ेदान साफ नहीं पाए गए। बाजार के दुकानदारों ने तो दुकानों के बाहर कूड़ेदान ही नहीं रखे हुए पाए। उन्होंने कहा कि नगर निगम की टीम समय-समय पर दुकानदारों को जागरूक कर रही है, पर दुकानदारों ने डस्टबिन नहीं रखे। नगर परिषद के अधिकारियों को निर्देश दिए कि दुकानदारों को डस्टबिन रखने के लिए जागरूकता किया जाए और स्वच्छ कुरुक्षेत्र अभियान में भागीदारी के लिए प्रयासरत रहना

चाहिए। अगर जागरूकता के बाद भी दुकानदारों में सुधार नहीं होता है तो चालान किए जाने चाहिए। उपायुक्त ने कहा कि बाजार जैसी ही स्थित ब्रह्मसरोवर की बने हुए हैं। यहां पर डस्टबिन तो हैं, पर क्षेत्र के हिसाब से डस्टबिनों की संख्या कम है। ऐसे में ब्रह्मसरोवर के क्षेत्र में भी कूड़ेदानों की संख्या को बढ़ाया जाना सुनिश्चित किया जाए।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि शहर के अलग-अलग स्थानों पर लगभग 50 मवेशी घूमते हुए पाए गए। नगर परिषद की वार्ड और क्षेत्र के अनुसार टीमों का गठन किया गया है। जो अपने-अपने क्षेत्र से मवेशियों को पकडना सुनिश्चित करेंगी। उन्होंने कहा कि बरसात के बाद सड़कों में बने गड्ढों में पानी खड़ा पाया गया। इनमें से वाहन चालकों को परेशानी ना हो, संबंधित विभाग अपने-अपने रास्तों को ठीक करना सुनिश्चित करे। साथ ही सडकों की बर्म के किनारे झाड़ियों को साफ करने की आवश्यकता है। झाडियों के कारण सड़क की चौड़ाई खत्म हो रही है। इसके अलावा समय-समय पर पेड़ों की छंटाई की जानी चाहिए।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि मॉर्निंग वॉक के दौरान कचरे की फोटो लेकर अधिकारी पोर्टल को अपडेट कर रहे है। इस फोटो के आधार पर नगर परिषद व नगर पालिका के अधिकारी व कर्मचारी सम्बन्धित बिन्दू पर सफाई करवाने के बाद पोर्टल पर अपडेट करना सुनिश्चित करेंगे ताकि स्वच्छता का मूल्यांकन कर सके। इसके साथ ही मॉर्निंग वॉक करने वाले अधिकारी भी सम्बन्धित बिन्दु पर स्वच्छता पर फोकस रखेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि उस स्थल को स्वच्छ बनाया जा सके।

उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र को स्वच्छ बनाने की मुहिम के तहत विभागीय अधिकारी अपने-अपने कार्यालय की स्वच्छता पर फोकस रखकर कार्य कर रहे है। सभी अधिकारी अपने-अपने कार्यालयों के साथ-साथ आस पास के क्षेत्र को भी साफ व सुंदर बनाएंगे। इस स्वच्छता अभियान के तहत सभी वार्डों में पार्षदों व जन प्रतिनिधियों के माध्यम से स्वच्छता अभियान शुरू कर दिया गया है। इस जिले में थानेसर नगर परिषद के अलावा पिहोवा, लाडवा, शाहबाद व इस्माईलाबाद के वार्डों में पार्षद अपने-अपने वार्ड को स्वच्छ बनाएंगे।

कैथल में बसवा टीम की नई कार्यकारिणी का गठन, जतिन सिंहमार बने जिला अध्यक्ष

गजब हरियाणा न्यूज/ ब्यूरो

कैथल । बहुजन स्टूडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (बसवा) इंडिया की कैथल इकाई का गठन श्री रैदास तख्त कलायत में हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता बसवा के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य गुरुदेव बडसीकरी ने की, जबकि संस्थापक रोहताश मेहरा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय के अनुसार, जतिन सिंहमार को बसवा टीम कैथल का नया जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, पूर्व अध्यक्ष बिट्टू करोड़ा को प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नई कार्यकारिणी में शामिल अन्य सदस्यों के नाम इस प्रकार हैं:

महासचिव अभी मेहरा, उपाध्यक्ष गुरूबचन कैथल और दीपक जास्ट, सचिव मनीष कश्यप, सुखदेव, और अंशुल मेहरा,मीडिया प्रवक्ता रवि जास्ट , सहसचिव मनोज जागलान, सदस्य सुनील रंगा और रवि जास्ट। इस अवसर पर, गुरुदेव बडसीकरी ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को संगठन के उद्देश्यों और कार्यों से अवगत कराया और उन्हें पूरी ईमानदारी व लगन से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।

घरौंडा में चार अवैध कॉलोनियों पर चला डीटीपी का पीला पंजा

गजब हरियाणा न्यूज/अमित बंसल

घरौंडा । जिला नगर योजनाकार गुंजन ने बताया कि गत दिवस घरौंडा में 4 अवैध कॉलोनियों के विरूद्ध तोडफोड़ की कार्यवाही की गई। उन्होंने बताया कि पहली अवैध कॉलोनी जो लगभग 1.5 एकड़ में सांई मन्दिर के पास स्थित है जिसमें 1 निर्माणधीन मकान , 1 चारदिवारी , 2 दुकान व सभी कच्ची सडकों के विरूद्ध तोडफोड़ की कार्रवाई की गई। दूसरी अवैध कॉलोनी जो लगभग 2 एकड़ में पनोडी रोड पर स्थित है जिसमें सभी कच्ची सडकों के विरूद्ध तोडफोड़ की कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि तीसरी अवैध कॉलोनी जो लगभग 2.2 एकड़ में राधा स्वामी सत्संग भवग के पास स्थित है। जिसमें सभी कच्ची सड़कों के विरूद्ध तोडफोड़ की कार्रवाई की गई। इसी प्रकार चैथी अवैध कॉलानी लगभग 12.5 एकड़ में कैमला रोड पर स्थित है। जिसमें 6 डी.पी सी., चारदिवारी,मैन गेट व सभी कच्ची सड़कों के विरूद्ध तोडफोड़ की कार्रवाई की गई। कार्यवाही के दौरान डयूटी मजिस्ट्रेट नगर पालिका सचिव , थाना घरौंडा की पुलिस फोर्स मौके पर उपस्थित रही।

जिला नगर योजनाकार गुंजन ने लोगो से अपील की कि कोई व्यक्ति अवैध कॉलोनी में कोई निर्माण नहीं करें अन्यथा कार्यालय द्वारा तोडफोड़ की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि अवैध कॉलोनियों व अवैध निर्माणों के विरुद्ध किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाएगी व तोडफोड़ की कार्यवाही जारी रहेगी तथा दोषियों के विरुद्ध मुकदमे दर्ज करवाऐ जायेंगे।

हरियाणा विधानसभा का मीडिया से आह्वान 'अपराधियों का महिमामंडन न करें'

गजब हरियाणा न्यूज/सुदेश

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए प्रदेश और देश के मीडिया संस्थानों से अपराधियों और गैंगस्टरों का महिमामंडन न करने का आह्वान किया है। मानसून सत्र के आखिरी दिन सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर यह अनुरोध किया गया कि समाचारों में बड़े गैंगस्टरों के नाम, उनकी पृष्ठभूमि और गिरोहों की विस्तृत जानकारी न दी जाए।

अपराधियों को 'हीरो' बनाने की प्रवृत्ति पर रोक

यह प्रस्ताव इस चिंता के मद्देनजर लाया गया है कि कुछ मीडिया रिपोर्टों में अपराधियों को जिस तरह से पेश किया जाता है, उसका युवा पीढ़ी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। कई बार खबरों में अपराधियों की कहानियाँ इस तरह से बताई जाती हैं कि युवा उन्हें 'हीरो' मानने लगते हैं और उनकी तरह बनने की कोशिश करते हैं।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को ही कानून व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा के दौरान इस तरह के प्रस्ताव लाने का संकेत दिया था। अगले ही दिन, पंचायत एवं विकास मंत्री कृष्ण पंवार ने यह प्रस्ताव सदन

में पेश किया, जिसे सभी सदस्यों ने बिना किसी विरोध के स्वीकार कर लिया।

इस प्रस्ताव का मुख्य उद्देश्य समाज में अपराध को बढ़ावा देने वाली मानसिकता को रोकना है। सरकार का मानना है कि मीडिया एक शक्तिशाली माध्यम है और अपराधियों के महिमामंडन से समाज में गलत संदेश जाता है। इस कदम से उम्मीद है कि अपराध की दुनिया से जुड़ी खबरों को सनसनीखेज बनाने की बजाय, उन्हें एक जिम्मेदारी भरे तरीके से पेश किया जाएगा।

यह पहल मीडिया और सरकार के बीच एक नए सहयोग की दिशा में महत्वपूर्ण है, जहाँ दोनों मिलकर समाज को एक बेहतर दिशा देने के लिए काम कर सकते हैं।

रेलवे में ढाई लाख रिक्त पद, सेवानिवृत्त कर्मचारियों की होगी दोबारा भर्ती

गजब हरियाणा न्यूज/शेर सिंह

अंबाला । भारतीय रेलवे में लगभग ढाई लाख पद खाली पड़े हैं। इन रिक्त पदों को भरने और परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। रेलवे ने स्थायी भर्ती के साथ-साथ सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भी अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) के आधार पर दोबारा नौकरी पर रखने का फैसला किया है।

वरिष्ठ अधिकारियों को मिला अधिकार

रेलवे बोर्ड ने इस योजना को लागू करने के लिए मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) और महाप्रबंधकों (जीएम) को विशेष अधिकार दिए हैं। अंबाला मंडल के वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी (एसडीपीओ) ने इस संबंध में एक नोटिफिकेशन जारी कर सभी अधिकारियों और रेलवे यूनियनों को सूचित किया है।

इस योजना के तहत, केवल उन्हीं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दोबारा मौका मिलेगा जिनकी एनुअल परफॉर्मेंस असेसमेंट रिपोर्ट (एपीएआर) %गुड ग्रेड% में होगी। इन कर्मचारियों का चयन एक विशेष समिति द्वारा किया जाएगा, और अंतिम निर्णय महाप्रबंधक का होगा।

यह पॉलिसी सिर्फ नियमित रेल कर्मचारियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के लिए भी लागू की गई

है। आरपीएफ में भी हजारों पद खाली हैं। इन पदों को भरने के लिए सेवानिवृत्त आरपीएफ कर्मियों के साथ-साथ पूर्व सैनिकों और होमगार्ड्स को भी कॉन्स्टेबल और हेड कॉन्स्टेबल के पदों पर तैनात किया जाएगा। रेल मंत्रालय ने इस संबंध में सभी महाप्रबंधकों को पत्र भेजकर इस नीति को तुरंत लागू करने का निर्देश दिया है।

पिछले 10 वर्षों में रेलवे ने लगभग 4.80 लाख भर्तियाँ की हैं, और 1 लाख पदों पर भर्ती की प्रक्रिया अभी भी चल रही है। इन नई नियुक्तियों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों की वापसी से रेलवे पर काम का बोझ कम होगा और यात्रियों को बेहतर सुविधाएँ मिलेंगी।

अमृतवाणी

शिरोमणि सतगुरु रविदास जिओ की

जात पांत के फेर मंहि, उरझि रहइ सब लोग।
मानुषता कूं खात हइ, रैदास जात कर रोग॥

जय गुरुदेव जी

व्याख्या: अज्ञानवश सभी लोग जातिलृपाति के चक्कर में उलझकर रह गए हैं। रैदास कहते हैं कि यदि वे इस जातिवाद के चक्कर से नहीं निकले तो एक दिन जाति का यह रोग संपूर्ण मानवता को निगल जाएगा।

धन गुरुदेव जी

आचरण

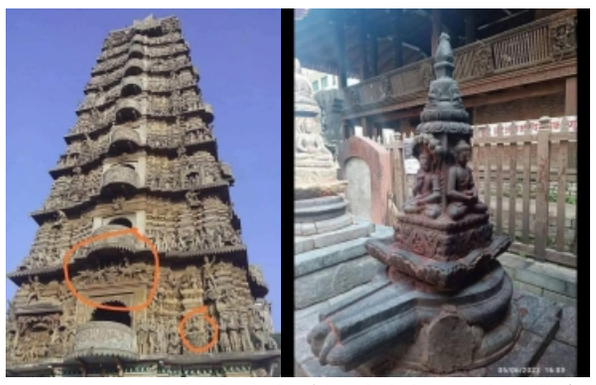

गौतम बुद्ध अपने अनुयायियों को प्रतिदिन प्रवचन दिया करते थे। दूर-दूर से लोग उनका प्रवचन सुनने आया करते थे। गौतम बुद्ध लोगों को काम, मोह, लोभ, ईर्ष्या, अहंकार से स्वयं को दूर रखकर नम्रता, सादगी और सरलता से जीवन जीने की शिक्षा दिया करते थे।

एक व्यक्ति प्रतिदिन गौतम बुद्ध का प्रवचन सुनने आया करता था। वह बड़े ध्यानपूर्वक बुद्ध के कहे हर शब्दों को सुना करता और प्रवचन समाप्त होने पर लौट जाता।

लगभग एक माह तक वह अनवरत महात्मा बुद्ध का प्रवचन सुनने आता रहा। एक दिन प्रवचन समाप्त होने के बाद भी वह रुका रहा। सबके चले जाने के बाद वह बुद्ध के पास गया और बोला ङ्क

तथागत! मुझे आपसे कुछ पूछना है।

पूछो! बुद्ध ने कहा।

तथागत! मैं एक माह से रोज़ आपके उपदेशों को बड़े ध्यान से सुन रहा हूँ। आपकी कही हर बात मुझे याद है। किंतु, मेरे जीवन में उनका कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा। मैं सोचने लगा हूँ कि क्या मुझमें कोई कमी है, जो वे बातें मुझ पर प्रभावहीन है ?ञ्ज

बुद्ध ने पूछा, बंधु! तुम कहाँ रहते हो?

व्यक्ति ने उत्तर दिया, श्रावस्ती में!

श्रावस्ती यहाँ से कितनी दूर है।

व्यक्ति ने दूरी बताई, तो बुद्ध ने पूछा, तुम श्रावस्ती से यहाँ कैसे आते हो?

कभी पैदल, कभी घोड़ागाड़ी से, कभी बैल गाड़ी से।

अच्छा ये बताओ कि क्या तुम यहाँ बैठे-बैठे श्रावस्ती पहुँच जाओगे।

ये कैसे संभव है तथागत! यहाँ बैठे-बैठे मैं श्रावस्ती कैसे पहुँच सकता हूँ। वहाँ पहुँचने के लिए मुझे चलना पड़ेगा। यदि चलना न हो, तो वहाँ पहुँचने के लिए साधन की आवश्यकता होगी, जैसे बैलगाड़ी या घोड़ा गाड़ी।

सत्य कहा! बुद्ध बोले, गंतव्य तक पहुँचने के लिए चलना पड़ता हैं। बिना चले गंतव्य तक नहीं पहुँचा जा सकता। उसी प्रकार अच्छी बातों को जीवन में उतारने के लिए उन पर चलना पड़ता है। मात्र सुन भर लेने से वे बातें जीवन में प्रभावशील नहीं होती। उनके अनुसार आचरण भी करना पड़ता है। मेरी शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारोगे, मेरे दिखाए मार्ग पर चलोगे, तब तुम अपने जीवन में एक सकारात्मक परिवर्तन देखोगे।

व्यक्ति को बुद्ध की बातें समझ में आ गई। उसने निश्चय किया कि अब वह बुद्ध की बातों का अनुसरण करेगा, उनके दिखाए मार्ग पर चलेगा और अपना जीवन बेहतर बनायेगा।

सीख

दोस्तों, दिन भर में हम अच्छी-बुरी कितनी ही बातें सुनते हैं। कुछ बातों को हम सुनकर अनसुना कर देते हैं। कुछ बातें कुछ समय तक हमारे मस्तिष्क पटल पर रहती, फिर उन्हें हम भूल जाते हैं। कुछ बातें यादों के रूप में हमारे अवचेतन में संरक्षित हो जाती हैं।

किंतु वे बातें जिनका हम अनुसरण करते हैं, जिन पर चलना शुरू कर देते हैं। वही हमारे जीवन को प्रभावित करती हैं। वे धीरे-धीरे हमारी आदतों में ढल जाती है और अंततः हमारे स्वभाव में सम्मिलित होकर हमारे व्यक्तित्व का अंग बन जाती है। यदि आप अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना चाहते हैं, तो अच्छी बातों को मात्र सुने नहीं, उन पर चलें भी।

ध्यान देने योग्य बात यहाँ ये भी है कि जिन बातों पर हम चलने लगते हैं, वहीं अंततः हमारे जीवन को चलाने लगती हैं। अतः अपने जीवन को श्रेयष्कर बनाना चाहते हैं, तो किसी भी बात को जीवन में उतारने के पहले बुद्धि रूपी तराजू में अवश्य तौलें और उन्हीं बातों को अपने जीवन में उतारे, जो आपके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाये और आपके जीवन को बेहतर बनाये।

मौखिक रूप से व्यक्त न होने वाली भावनाओं को व्यक्त करने का अवसर देती है कला: डॉ. गुरचरण सिंह

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा आर्ट क्लब के अंतर्गत एक दिवसीय आर्ट एक्सप्रेशन एंड इनोवेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुवि के ललित कला विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. गुरचरण सिंह ने प्रथम सत्र में कला के महत्व पर बात करते हुए कहा कि कला हमें उन भावनाओं को व्यक्त करने का अवसर देती है जिन्हें मौखिक रूप से व्यक्त करना मुश्किल हो जाता है। कार्यशाला में स्केचिंग, शेडिंग और रंग सम्मिश्रण जैसी विभिन्न तकनीकों का लाइव प्रदर्शन किया गया।

कार्यशाला के दूसरे इंटरैक्टिव सत्र में प्रतिभागियों को विशेषज्ञ डॉ. गुरचरण सिंह के मार्गदर्शन में अभ्यास करने का अवसर दिया गया। साथ ही ललित कला के विभिन्न रूपों के संदेह दूर किए गए।

इस अवसर पर संस्थान की प्राचार्या प्रो. अनिता दुआ ने संस्थान के विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि कला विद्यार्थियों के मस्तिष्क को रचनात्मक रूप से सोचने और मानसिक बाधाओं का सामना करने और अधिक लचीलापन और अनुकूलनशीलता के साथ दूर करने के लिए चुनौती देता है। इस अवसर पर आर्ट क्लब कोर्डिनेटर डॉ. रोहिणी, रीना यादव, डॉ. दिग्विजय सिंह, डॉ. ममता चावला, डॉ. रीटा सैनी, डॉ. अंग्रेज सिंह, दिविज गुगनानी, कंवलप्रीत कौर, पूजा सैनी, डॉ. मनप्रीत कौर, दीपेन्द्र और दीपिका सहित कर्मचारी मौजूद थे।

प्राचीन बुद्ध प्रतीक

पूरे भारत में कोई भी ऐसी ,पर्वतमाला नहीं है जहाँ भगवान बुद्ध से संबंधित प्राचीन मठ, विहार, चैत्य, स्तूप, गुफाएं, ध्यान केंद्र, भित्तिचित्र आदि नहीं है। आज भी मौजूद हैं।

यह सच है कि देशी विदेशी आक्रमणकारियों, विरोधियों की साजि़श के तहत जयपुर भारत भूमि से बुद्ध धम्म का विलोप हुआ। बुद्ध और धम्म के काफ़ी प्रतीकों को तोड़ा और जलाया गया। लेकिन आज भी भारत के हर कोने में हर स्थान पर वह बौद्ध विरासत मौजूद है अधिकतर का नाम और स्वरूप आठवीं सदी के बाद बदल दिया है। बुद्ध की प्रतिमा को वस्त्र, अस्त्र और आभूषणों से ढक कर छुपा दिया कर अन्य देवी देवता बना दिया है।

आपके आस पास भी गांव, क़स्बे, शहर, पहाड़ में देवी देवता के जो प्राचीन मंदिर या गुफा हैं वह मूल रूप से बौद्ध विहार है। आठवीं सदी के बाद जब भारत से बौद्ध धम्म विलोप हो रहा था और इन विरासत को कोई संभालने वाला नहीं था उस काल में शैव और वैष्णव मत संप्रदाय के लोगों ने अपने स्वार्थ और सुविधा के अनुसार मूर्तियों वह विहारों को बदला।

जिन विरासतों को मंदिरों में बदल दिया गया, उसके ऊंचे गुम्बदों पर देखना बुद्ध नज़र आएंगे क्योंकि इतनी ऊँचाई पर वस्त्र से लंबे समय तक ढकना संभव नहीं था।

धरती पर सबसे पहले बुद्ध की ही मूर्ति बनी और मूर्ति पूजा भी बौद्ध धम्म में ही था। अन्य संप्रदाय में तो बलि, यज्ञ, हवन ही थे। वहां तो मंदिर का भी कॉनसेप्ट नहीं था। इसलिए आज जितने भी प्राचीन मंदिर नज़र आते हैं वे सब हड़प कर क़ब्ज़ा किए हुए बौद्ध विहार हैं। जितने भी देवी देवता हैं वे सभी महायान वज्रयान तंत्रयान से ही चुराये हुए हैं।

सबका मंगल हो, सभी प्राणी सुखी हो

एम एल परिहार

सिकंदर

मैंने सुना है, सिकंदर अपने साम्राज्य को बढ़ाता हुआ नील नदी के किनारे पहुंचा। रास्ते में उसने न मालूम कितनी सीमाएं तोड़ी, कितने राज्य नष्ट किए, कितनी सेनाओं को पराजित किया, लेकिन नील नदी के किनारे पहुंचकर उसको बड़े अचंभे का अनुभव हुआ। जगह-जगह उसे प्रतिरोध मिला, टक्कर मिली। लोग हारे, तो भी आखिरी दम तक लड़े। लेकिन नील नदी के किनारे जब वह आया, तो उसे स्वागत मिला--वंदनवार, फूलों की वर्षा, निमंत्रण, उत्सव—लड़ने का कोई सवाल ही नहीं! वह चकित भी हुआ, हैरान भी हुआ।

जिस पहले नगर में उसने प्रवेश किया, नगर के लोगों ने पूरी सिकंदर की फौजों को निमंत्रण दिया, रात्रि-भोज का आयोजन किया। सुंदरतम भोजन, शराब, नृत्य-संगीत की व्यवस्था की। सिकंदर चकित भी था, हैरान भी था। यह कौन--सा ढंग है दुश्मन के प्रवेश पर स्वागत करने का! थोड़ा लज्जित भी था। क्योंकि वे तलवार लेकर खड़े होते, तो सिकंदर उन्हें जीत लेता। लेकिन वे प्रेम लेकर खड़े हुए, तो जीतना मुश्किल मालूम पड़ेगा।

जब उसके सामने भोजन की थाली लाई गई, तो वह एकदम नाराज हो गया; उसने जोर से घूंसा मारा टेबल पर और कहा कि यह क्या है? मेरा मजाक किया जा रहा है? क्योंकि थाली में सोने की रोटी थी, हीरे-जवाहरातों की सब्जियां थीं।

सिकंदर ने कहा कि तुम मूढ़ तो नहीं हो? शक तो मुझे तभी हुआ। जब मैं गांव में प्रवेश किया कि यह पागलों का गांव है, क्योंकि तुम लड़े नहीं, उलटे तुमने स्वागत किया। हम जीतने आए हैं, तुमने हमें फूलमालाएं पहनाई। शक तो मुझे तभी हुआ; लेकिन अब बिलकुल पक्का हो गया कि तुम्हारे दिमाग खराब हैं। सोने की रोटी खाई नहीं जाती! तो एक के आदमी ने, जो गांव का सर्वाधिक का था, उसने कहा, अगर गेहूं की रोटी ही खानी थी, तो वह तो आपको अपने घर ही मिल जाती। हम सोचे कि इतनी तकलीफ उठाकर आ रहे हैं, तो सोने की रोटी की तलाश होगी!

ओशो; जिन खोजा तिन पाईंयां

पेरियार ललई सिंह यादव, एक क्रांतिकारी जीवन गाथा

ललई सिंह यादव, जिन्हें 'उत्तर भारत का पेरियार' कहा जाता है, एक असाधारण व्यक्तित्व थे जिन्होंने अपना पूरा जीवन सामाजिक न्याय और समानता के लिए समर्पित कर दिया। उनका जन्म 1 सितंबर, 1911 को उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात जिले के कठारा गाँव में हुआ था। उनकी क्रांतिकारी सोच और निडरता उन्हें विरासत में मिली थी। उनके पिता, चौधरी गज्जू सिंह यादव, एक बहादुर आर्य समाजी थे, जिन्होंने अपने गाँव में दलित और पिछड़ी जातियों के साथ होने वाले भेदभाव और प्रसव के समय महिलाओं को गाँव से बाहर रहने की प्रथा के खिलाफ आवाज़ उठाई थी।

एक क्रांतिकारी और लेखक

ललई सिंह यादव ने अपनी शुरुआती शिक्षा पूरी करने के बाद कुछ समय के लिए वन विभाग में और फिर ग्वालियर रियासत की सशस्त्र पुलिस में नौकरी की। इस दौरान, उन्होंने महसूस किया कि समाज में व्याप्त अन्याय और जातिवाद के पीछे धार्मिक ग्रंथों की भूमिका है। उन्होंने हिंदी और संस्कृत के कई धार्मिक ग्रंथों का गहराई से अध्ययन किया और इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि वर्ण व्यवस्था और जाति व्यवस्था ही सामाजिक विषमता की जड़ है।

उन्होंने 1946 में 'नॉन गजेटेड मुलाजिमान पुलिस एंड आर्मी संघ' की स्थापना की और उसके अध्यक्ष बने। उन्होंने सिपाही की तबाही नामक एक किताब लिखी, जिसने पुलिस और सेना के कर्मचारियों को संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ग्वालियर राज्य में स्वतंत्रता संग्राम के दौरान विद्रोह भड़काने के आरोप में उन्हें गिरफ्तार किया गया और पाँच साल की सज़ा सुनाई गई, हालाँकि बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया।

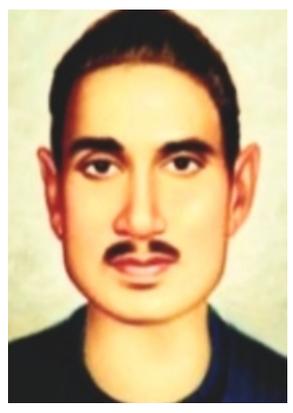

ललई सिंह यादव का सबसे बड़ा योगदान साहित्य के क्षेत्र में है। उन्होंने महसूस किया कि विचारों का प्रसार करने का सबसे अच्छा तरीका लेखन है। उन्होंने दक्षिण भारत के महान क्रांतिकारी पेरियार ई. वी. रामास्वामी नायकर से प्रभावित होकर उनकी किताब 'रामायण: ए ट्रू रीडिंग' का हिंदी में अनुवाद किया और इसे 'सच्ची रामायण' नाम से 1969 में प्रकाशित किया। इस किताब ने पूरे उत्तर भारत में हलचल मचा दी, और उत्तर प्रदेश सरकार ने इसे जब्त करने का आदेश दे दिया।

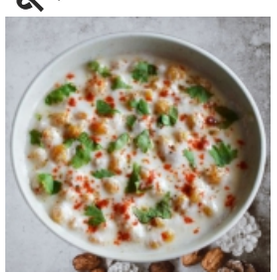

इसके खिलाफ, ललई सिंह यादव ने हाईकोर्ट में मुकदमा दायर किया और अंततः 1971 में ऐतिहासिक जीत हासिल की। अदालत ने सरकार के आदेश को रद्द कर दिया और कहा कि यह कार्रवाई गलत थी। यह भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ। इसके बाद, उन्होंने डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की किताबें सम्मान के लिए धर्म परिवर्तन करें और जाति भेद का उच्छेद को भी जब्त किए जाने के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ी और जीत हासिल की।

निजी जीवन और विरासत

ललई सिंह का निजी जीवन संघर्षों से भरा था। उन्होंने अपनी माता, पत्नी और पिता को खो दिया था, लेकिन वे कभी टूटे नहीं। उन्होंने अपनी पैतृक ज़मीन तक बेच दी ताकि वे किताबें छाप सकें और सामाजिक जागृति फैला सकें। उन्हें अपने ही लोगों, खासकर अपने पट्टीदारों से उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। उन्होंने आत्मरक्षा के लिए अपने झोले में एक कुल्हाड़ी

तक रखनी शुरू कर दी थी, और उन्हें डर था कि कहीं उनके भोजन में जहर न मिला दिया जाए।

आज, पेरियार ललई सिंह यादव का नाम पिछड़ी जातियों के लिए एक प्रेरणा बन गया है। उनके जीवन और संघर्षों को लेकर पीएचडी थीसिस लिखी जा रही हैं और उनके नाम पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उनका जीवन यह संदेश देता है कि सच्चे नायक वे होते हैं जो सिद्धांतों के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर कर देते हैं। उनके संघर्ष और त्याग को सही मायनों में तभी सम्मान मिलेगा जब पिछड़ा समाज उनसे प्रेरणा लेकर सामाजिक विषमताओं को खत्म करने के लिए आगे बढ़ेगा।

कैसे तैयार करें: बूंदी का रायता

सामग्री

दही – 2 कप (फ्रेश और ठंडा)
नमक – स्वाद अनुसार
भुना जीरा पाउडर – 1/2 चम्मच
काली मिर्च – 1/4 चम्मच
लाल मिर्च पाउडर–थोड़ा (ऑप्शनल)
बूंदी – 1 कप (नमकीन)
हरा धनिया – बारीक कटा (गार्निश के लिए)

विधि

सबसे पहले दही को अच्छे से फेंट लें ताकि वह स्मूद हो जाए। अब उसमें स्वादानुसार नमक, भुना जीरा पाउडर, काली मिर्च और लाल मिर्च पाउडर मिलाएं अगर बूंदी बहुत सख्त है तो उसे गुनगुने पानी में 5-10 मिनट भिगो दें। फिर हाथ से निचोड़कर पानी निकाल दें। अब बूंदी को दही में मिलाएं और अच्छी तरह मिक्स करें। ऊपर से हरा धनिया डालकर ठंडा सर्व करें।

फौरन खाने के लिए सूखी बूंदी डाल सकते हैं। थोड़ी देर में वह अपने आप सॉफ्ट हो जाएगी।

हरियाणा रोडवेज में जल्द शुरू होगी ई-टिकटिंग

अब UPI से भी कर सकेंगे टिकट का भुगतान

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

चंडीगढ़। हरियाणा रोडवेज से सफर करने वाले यात्रियों के लिए एक अच्छी खबर है। अब वे जल्द ही बसों में ई-टिकटिंग की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे, जिससे डिजिटल पेमेंट के जरिए टिकट खरीदना आसान हो जाएगा। राज्य परिवहन विभाग ने इस योजना को साकार करने के लिए क्यूआर कोड तैयार करने का काम एक एजेंसी को सौंपा है।

इस नई व्यवस्था के लागू होने के बाद यात्री UPI (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) और अन्य डिजिटल माध्यमों से भी बसों का टिकट खरीद पाएंगे। यह कदम हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज के आदेशों पर उठाया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, अगले दो सप्ताह में क्यूआर कोड तैयार करने की योजना है। इसके बाद 15 अक्टूबर तक साइबर सुरक्षा से संबंधित सभी काम पूरे कर लिए जाएंगे। जैसे ही यात्री भुगतान करेंगे, ई-टिकट मशीन से एक टिकट जेनरेट होगा, जिस पर एक नया क्यूआर कोड प्रिंट होगा।

इस खास क्यूआर कोड का फायदा यह होगा कि कोई भी यात्री एक ही टिकट का दोबारा इस्तेमाल नहीं कर पाएगा। यह कोड बस संख्या और यात्रा की जानकारी जैसे 'कहां से कहां तक' को भी स्कैन करके बताएगा।

वर्तमान में हरियाणा रोडवेज की बसों में रोजाना लाखों यात्री सफर करते हैं। प्रदेश में चंडीगढ़ और दिल्ली के अलावा, कुल 24 डिपो और 13 सब-डिपो हैं। परिवहन मंत्री अनिल विज ने इस योजना को जल्द से जल्द लागू करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

मदर टेरेसा: सेवा, करुणा और मानवता की मिसाल (पुण्यतिथि विशेष)

मदर टेरेसा का नाम सुनते ही मन में निस्वार्थ प्रेम और सेवा का भाव उमड़ आता है। अल्बेनियाई मूल की यह महान हस्ती, जिन्होंने अपना पूरा जीवन गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा में लगा दिया, मानवता की एक जीती-जागती मिसाल हैं। उनका जन्म 26 अगस्त, 1910 को मैसेडोनिया के स्कोप्जे शहर में हुआ था और उनका असली नाम एग्नेस गोंझा बोयाजिजू था। बचपन से ही वह परिश्रमी और दयालु थीं।

भारत में आगमन और मिशन

18 वर्ष की उम्र में, एग्नेस ने अपना जीवन मानव सेवा में समर्पित करने का निर्णय लिया। वह आयरलैंड से 6 जनवरी, 1929 को कोलकाता आईं और वहाँ लोरेटो कॉन्वेंट में शिक्षा देना शुरू किया। उन्होंने 1948 में पारंपरिक वस्त्रों को त्याग कर नीली किनारी वाली साड़ी पहनना शुरू किया और गरीबों की सेवा में जुट गईं। इसी साल उन्होंने कोलकाता में बच्चों के लिए एक स्कूल खोला और 1950 में मिशनरीज ऑफ चैरिटी की स्थापना की। इस संस्था का उद्देश्य बेघर, बीमार और असहाय लोगों की मदद करना था।

सेवा का विस्तार और सम्मान

मदर टेरेसा ने कोलकाता में निर्मल हृदय और निर्मला शिशु भवन जैसे आश्रम खोले। निर्मल हृदय में बीमार और पीड़ित लोगों की सेवा की जाती थी, जबकि निर्मला शिशु भवन अनाथ और बेघर बच्चों के लिए एक सुरक्षित आश्रय था। उनका यह मिशन जल्द ही पूरी दुनिया में फैल गया। मानवता के प्रति उनके निस्वार्थ योगदान के लिए उन्हें कई सम्मान मिले। भारत सरकार ने उन्हें 1962 में पद्म श्री और 1980 में सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारतरत्न से नवाजा। 1979 में, उन्हें गरीबों और असहायों की सेवा के लिए नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

विरासत

मदर टेरेसा का स्वास्थ्य उम्र के साथ बिगड़ता गया और 5 सितंबर, 1997 को उनका निधन हो गया। उनके निधन के समय, मिशनरीज ऑफ चैरिटी 123 देशों में 4,000 सिस्टर्स और अन्य सहयोगियों के साथ काम कर रही थी। उनकी सेवा और करुणा को देखते हुए पोप जॉन पॉल द्वितीय ने 19

अक्टूबर, 2003 को उन्हें धन्य घोषित किया।

मदर टेरेसा भले ही भारतीय नहीं थीं, लेकिन उन्होंने भारत को अपना घर बनाया और यहाँ के दीन-दुखियों की सेवा करके पूरी दुनिया के सामने एक मिसाल कायम की। आज भी उनका काम हमें याद दिलाता है कि मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।

सफाई व्यवस्था का मुद्दा विधानसभा में गूंजा, डोर-टू-डोर कूड़ा उठान पर सवाल

गजब हरियाणा न्यूज/गुरावा

गुरुग्राम/फरीदाबाद । हरियाणा विधानसभा के हाल ही में समाप्त हुए मानसून सत्र में फरीदाबाद की औद्योगिक नगरी में सफाई व्यवस्था का मुद्दा जोर-शोर से उठा। एनआइटी क्षेत्र के विधायक सतीश फागना ने विधानसभा में प्रश्न उठाकर शहर की बदहाल सफाई व्यवस्था पर चिंता जताई।

विधायक सतीश फागना ने कहा कि एनआइटी विधानसभा क्षेत्र में आबादी के अनुपात में सफाई कर्मचारियों की संख्या बहुत कम है, जिससे सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने यह भी बताया कि डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने की व्यवस्था सही तरीके से काम नहीं कर रही है, जिसके कारण सड़कों और गलियों में कूड़े के ढेर लग रहे हैं।

इस पर, शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने जवाब देते हुए कहा कि एनआइटी क्षेत्र में वर्तमान में 425 सफाई कर्मचारी काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सफाई के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली, जेसीबी और डंपरों का भी इस्तेमाल हो रहा है, और दो स्विपिंग मशीनें भी लगाई गई हैं।

शहर में सफाई की समस्या का मुख्य कारण कूड़े का सही निस्तारण न होना है। लगातार बढ़ते कूड़े के ढेर चिंता का विषय बने हुए हैं। इसे देखते हुए, फरीदाबाद नगर निगम अब प्रतापगढ़, मुजेड़ी के बाद डबुआ कॉलोनी में भी कूड़ा निस्तारण प्लांट लगाने की तैयारी कर रहा है।पिछले साल फरवरी में इको ग्रीन का अनुबंध रद्द होने के बाद से, डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने का काम छोटे-मोटे वेंडरों द्वारा किया जा रहा है। निगम ने इस काम के लिए तीन बार टेंडर निकाले, लेकिन वे सभी रद्द हो गए। 23 अगस्त को होने वाला चौथा टेंडर अब 8 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। यह देरी और बार-बार टेंडर का रद्द होना शहर की सफाई व्यवस्था को और भी बदतर बना रहा है।

साइबर फ्रॉड से बचें, कुरुक्षेत्र पुलिस की एडवाइजरी, जागरूकता है सबसे बड़ा हथियार

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । साइबर अपराधी हर दिन ठगी के नए-नए तरीके अपना रहे हैं, लेकिन कुरुक्षेत्र पुलिस द्वारा जारी की गई एडवाइजरी और आमजन की जागरूकता ही इन अपराधियों से बचने का सबसे बड़ा हथियार है। पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र, नीतीश अग्रवाल, ने बताया कि साइबर अपराधों से बचने के लिए सतर्कता और जागरूकता बहुत जरूरी है। पुलिस समय-समय पर अभियान चलाकर लोगों को इन अपराधों के प्रति सचेत करती रहती है।

साइबर फ्रॉड से बचने के लिए

इन बातों का रखें ध्यान

संदिग्ध मैसेज से बचें: फोन पर किसी भी अनजान व्यक्ति के पैसे भेजने के मैसेज की पूरी जांच करें। किसी अपरिचित व्यक्ति के कहने पर कोई भी एप्लीकेशन डाउनलोड न करें।

निजी जानकारी साझा न करें: अपने बैंक डिटेल, एटीएम कार्ड नंबर, एक्सपायरी डेट या सीवीवी नंबर किसी के साथ शेयर न करें।

अज्ञात लिंक और कॉल से रहें सावधान: किसी भी अनजान नंबर से आए मैसेज, व्हाट्सएप मैसेज, लिंक या फोटो पर क्लिक न करें। व्हाट्सएप पर अज्ञात नंबर से आई किसी भी ऑडियो/वीडियो कॉल को रिसीव न करें।

लुभावने ऑफर से बचें: टेलीग्राम ऐप या अन्य माध्यमों से घर बैठे पैसे कमाने के लुभावने ऑफर के लालच में न आएं।

ऑनलाइन खरीदारी में सतर्कता: ऑनलाइन खरीदारी करते समय वेबसाइट के यूआरएल को जांचें, यह 'https' होना चाहिए, सिर्फ 'http' नहीं।

डीपी फ्रॉड से बचें: साइबर ठग अब प्रभावशाली लोगों की फोटो को सोशल मीडिया पर डीपी के रूप में इस्तेमाल कर धोखाधड़ी कर रहे हैं, इसलिए सावधान रहें।

फर्जी मैसेज से सावधान: ई-चालान या इनकम टैक्स रिफंड के मैसेज में दिए गए लिंक को कभी न खोलें। यह भी एक प्रकार की ठगी है।

कस्टमर केयर की जांच करें: किसी भी ऑनलाइन कस्टमर केयर नंबर को गूगल पर सर्च करने की बजाय सीधे कंपनी की वेबसाइट पर ही खोजें।

अकाउंट की तुरंत जांच न करें: अगर किसी अनजान नंबर से आपके खाते में पैसे आते हैं, तो तुरंत अपना बैलेंस चेक करने के लिए यूपीआई अकाउंट न खोलें, पहले पूरी जांच करें।

अगर आप किसी भी साइबर क्राइम का शिकार हो जाते हैं, तो तुरंत भारत सरकार द्वारा जारी साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। तुरंत शिकायत करने पर आपका पैसा सुरक्षित वापस आ सकता है। जागरूकता और सतर्कता ही आपको इन अपराधियों के चंगुल में आने से बचा सकती है।

शब्द ही परमात्मा, शब्द ही प्रकाश: स्वामी ज्ञान नाथ जी

कहा: कि साकार और निराकार, दोनों ही शब्द की अभिव्यक्तियां हैं

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल

अम्बाला। निराकारी जागृति मिशन के चेयरमैन, संत शिरोमणि, महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ जी महाराज ने कहा है कि शब्द ही परमात्मा है और शब्द ही प्रकाश है। उन्होंने कहा कि साकार और निराकार, दोनों ही शब्द की अभिव्यक्तियां हैं, और शब्द के भीतर ईश्वरीय दिव्य शब्दधुन और दिव्य प्रकाश समाए हुए हैं। वे अंबाला-नारायणगढ़ रोड स्थित निराकारी जागृति मिशन आश्रम खतौली में आयोजित साप्ताहिक रूहानी सत्संग में दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे।

स्वामी जी ने अपने प्रवचन में कहा कि अखिल ब्रह्मांड का पूरा विस्तार शब्द का ही पसारा है। उन्होंने समझाया कि हर जीव शब्द से ही पैदा होता है, शब्द में ही खेल करता है और अंत में शब्द में ही विलीन हो जाता है। उन्होंने इस आध्यात्मिक सार को ज्ञान और विज्ञान की कसौटी पर भी खरा बताया।

उन्होंने कहा कि इस शब्द का न तो कोई आदि है, न मध्य और न ही अंत। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार सांप के अंदर जहर होता है, लेकिन उस पर जहर का कोई असर नहीं होता, उसी प्रकार माया शब्द के अंदर रहती है, लेकिन शब्द पर माया का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

आत्म साक्षात्कार का मार्ग

स्वामी ज्ञान नाथ ने कहा कि परमात्मा दूर नहीं, बल्कि हमारे बहुत करीब है। उन्होंने इसे हमारा निज स्वरूप, हमारी असली पहचान बताया। उन्होंने श्रद्धालुओं को सुरत-शब्द योग का अभ्यास करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ध्यान में बैठकर सुरत से दिव्य ईश्वरीय संगीत को सुनें और नीरत से दिव्य ईश्वरीय प्रकाश को देखें। उन्होंने बताया कि यह आध्यात्मिक ध्वनि पूरे ब्रह्मांड में लगातार गूंज रही है और सभी जीवों के जीवन का आधार है। उन्होंने इसे वास्तविक भजन और भक्ति मार्ग में सफलता की कुंजी बताया।

स्वामी जी ने अंत में कहा कि ध्यान करते हुए अंतर्मुखी हो जाएं, अपने आप में खो जाएं और स्वयं में स्थिर हो जाएं। उन्होंने कहा कि हमें कर्ताभाव और भोक्ताभाव से परे जाकर, अतीत के अनुभवों और भविष्य की चिंताओं को छोड़कर वर्तमान में जीना सीखना चाहिए। इस अवसर पर कई श्रद्धालु मौजूद थे, जिन्होंने स्वामी जी के प्रवचनों को ध्यानपूर्वक श्रवण किया।

हरियाणा की पहली 'प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना' आधारित फिल्म 'बिजली' की शूटिंग पूरी

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

भिवानी । सोमिका फिल्म्स भिवानी द्वारा बनाई जा रही हरियाणवी फीचर फिल्म 'बिजली' की शूटिंग 21 अगस्त 2025 को देर रात भिवानी जिले के गाँव गरवा में पूरी हो गई। यह फिल्म 'प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना' और सामाजिक जागरूकता पर आधारित हरियाणा की पहली फीचर फिल्म है।

फिल्म के निर्माता सोमेश खिंची ने बताया कि 11 अगस्त 2025 को भिवानी के विधायक घनश्याम शर्राफ द्वारा क्लेप दिखाकर इस फिल्म की शूटिंग भिवानी में शुरू की गई थी। केवल 10 दिनों में ढाई घंटे की इस फिल्म की शूटिंग को पूरा करना अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

यह फिल्म साहित्यकार आनंद प्रकाश 'आर्टिस्ट' के हरियाणवी उपन्यास 'बिजली' पर आधारित है, जिसे हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के 'मुंशी प्रेमचंद श्रेष्ठ-कृति सम्मान' से सम्मानित किया जा चुका है। आनंद प्रकाश 'आर्टिस्ट' ने फिल्म के गीत, संवाद और पटकथा लेखन के साथ-साथ इसका निर्देशन भी किया है।

संगीत बंटी परमार ने दिया है और गीतों को पूजा राउत, बंटी परमार और हिमाचल ने गाया है। फिल्म में मुख्य सहायक निर्देशक सोनू पोदार, सहायक निर्देशक रुपेश और मेकअप व हेयर आर्टिस्ट सतनाम और विक्की थे।

फिल्म में मुख्य भूमिका देवांश और हिना चौधरी ने निभाई है, जो क्रमश: बिरजू और शिवानी के किरदार में हैं। फिल्म में सिर्फ मुख्य कलाकार ही नहीं, बल्कि हर पात्र अपनी एक अलग कहानी लेकर आता है, जो दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचेगा।

इस फिल्म में बॉलीवुड, पंजाबी और हरियाणवी सिनेमा के कई जाने-माने चेहरों ने काम किया है। कलाकारों में देवांश और हिना चौधरी के अलावा हिमांशु वर्णयम, आशा विजय विभोर, आनंद प्रकाश 'आर्टिस्ट', विशाल, श्रवण कुमार, अमिताभ पारीक, सोनू पोडार, रोहतास गुरी, राजेश पांचाल, सुनीता भुक्कल, पूजा राउत, विकास 'जीतू', विकास अग्रवाल, सुनीता आनंद, मोनिका सोमेश, जितेंद्र सभ्रवाल, सर्वेश, रुपेश, राहुल परमार और पवन शर्मा शामिल हैं।

फिल्म के निर्माता ने इसे कई दूसरी भारतीय भाषाओं में डब करने का भी विचार किया है। फिल्म की शूटिंग पूरी होने पर गरवा गाँव के सरपंच सत्यवान और अन्य ग्रामीणों ने पूरी टीम को विदा किया। निर्देशक आनंद प्रकाश 'आर्टिस्ट' और निर्माता सोमेश खिंची ने सभी ग्रामीणों और अपनी टीम का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना में बढ़ोतरी पिछड़ा वर्ग को 51 हजार रुपये का लाभ

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल। हरियाणा सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना में बढ़ोतरी की है। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि अब पिछड़ा वर्ग के परिवारों को बेटियों की शादी में कन्यादान के रूप में 51,000 की सहायता राशि मिलेगी। पहले यह राशि 41,000 थी।

इस बढ़ोतरी से उन हजारों परिवारों को सीधा फायदा होगा जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख से कम है। उपायुक्त ने कहा कि यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बेटियों के विवाह के लिए प्रोत्साहित करने का एक सराहनीय कदम है।

कौन-कौन हैं इस योजना के पात्र?

उपायुक्त उत्तम सिंह ने योजना के तहत मिलने वाली अन्य लाभों की जानकारी देते हुए बताया

51,000 की सहायता

गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले पिछड़ा वर्ग के परिवार।

किसी भी वर्ग की महिला खिलाड़ी अपनी शादी के लिए।

ऐसे दिव्यांग जोड़े जिनमें पति या पत्नी में से कोई एक भी दिव्यांग हो।

विधवा, तलाकशुदा, अनाथ या बेसहारा महिलाओं के पुनर्विवाह पर (यदि पहली शादी में लाभ न लिया हो)।

71,000 की सहायता

अनुसूचित जाति, विमुक्त जाति और टपरीवास समुदाय के पात्र परिवार।

आवेदन प्रक्रिया

योजना का लाभ लेने के लिए शादी का पंजीकरण विवाह के 6 महीने के भीतर कराना अनिवार्य है। आवेदन प्रक्रिया को बेहद आसान बनाया गया है। पात्र व्यक्ति एचटीटीपी://एसएचएडीआई डॉट ई-दिशा डॉट जीओवी डॉट इन (http://shadi.edisha.gov.in/) पोर्टल पर जाकर इस योजना के लिए आवेदन कर सकते हैं।

यह योजना न केवल आर्थिक सहायता प्रदान करती है, बल्कि समाज के सभी वर्गों के लिए समानता और सम्मान सुनिश्चित करने में भी मदद करती है।

वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ़ इंडिया ने हरियाणा प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया, शिव कुमार शर्मा बने प्रदेश अध्यक्ष

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल । वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ़ इंडिया (WJI) की एक महत्वपूर्ण बैठक करनाल के पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में आयोजित की गई। इस बैठक में केंद्र से राष्ट्रीय सचिव और हरियाणा प्रदेश के प्रभारी विकास सुखीजा मुख्य रूप से मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश प्रचार सचिव शिव कुमार बतरा ने की।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार उपाध्याय और राष्ट्रीय महासचिव नरेंद्र भंडारी की अनुमति से, राष्ट्रीय सचिव विकास सुखीजा ने हरियाणा प्रदेश की नई कार्यकारिणी का गठन किया। इस नई टीम में वरिष्ठ पत्रकार शिव कुमार शर्मा को प्रदेश अध्यक्ष, हरीश चावला को कार्यकारी अध्यक्ष, और जंगशेर राणा को प्रदेश महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा

नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार शर्मा ने तुरंत प्रभाव से प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की, जिसमें विभिन्न पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गईं:

* उपाध्यक्ष: सतीश सेठ, डॉ. अशोक अरोड़ा, सतबीर भारद्वाज, विजय शर्मा
* वरिष्ठ उपाध्यक्ष: राज कुमार भाटिया, रणबीर पाराशर, बलराम शर्मा
* सचिव: वीरेंद्र नीटू, विनय विज, ईश्वर दत्त शर्मा
* संगठन सचिव: सन्नी चौहान
* सह संगठन सचिव: कर्मबीर पानू
* प्रचार सचिव: सुरेंद्र पांचाल
* सह प्रचार सचिव: नवीन शर्मा
* कोषाध्यक्ष: शिव बतरा
* लेखाकार: रामकिशन
* कार्यकारी सदस्य: अनिल भारद्वाज, एस.पी. सिंह, अशोक गुप्ता, मैनपाल कश्यप, मनमोहन शर्मा, गुरचरण सिंह विर्क
* सह संगठन सचिव: लव किशोर गनोत्रा
* जिला कार्यकारिणी सदस्य: वंश गौड़

बैठक में नवगठित टीम ने संगठन के दिवंगत पूर्व अध्यक्ष श्री अनूप चौधरी को श्रद्धांजलि भी दी।

करनाल जिला इकाई का पुनर्गठन

प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार शर्मा ने करनाल जिले की इकाई का भी पुनर्गठन किया, जिसकी नई जिम्मेदारी इन पदाधिकारियों को सौंपी गई है:

* जिलाध्यक्ष: सन्नी चौहान
* जिला प्रभारी: मनीश शर्मा
* सह जिला प्रभारी: कृष्ण लाल
* कोषाध्यक्ष: दर्शन शर्मा
* महासचिव: वीरेंद्र जांगड़ा
* वरिष्ठ उपाध्यक्ष: जसविंदर शर्मा
* संगठन सचिव: हरविंदर सिंह

आगामी कार्यक्रम और डिजिटल डायरी का विमोचन राष्ट्रीय सचिव और प्रदेश प्रभारी विकास सुखीजा ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी और संगठन की नीतियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आगामी 29 अगस्त को दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ़ इंडिया की वेबसाइट को नए रूप में प्रस्तुत किया जाएगा, साथ ही एक डिजिटल डायरी का भी विमोचन होगा। उन्होंने सभी पत्रकार साथियों से इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल होने का आह्वान किया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने केंद्र नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ काम करेंगे और संगठन को मजबूत बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार शर्मा ने कहा कि हरियाणा के कई पत्रकार उनके संपर्क में हैं और उन्हें जल्द ही डब्ल्यूजेआई (WJI) से जोड़ा जाएगा।

भिवानी के रिटायर्ड क्लर्क जगत सिंह ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए भरा नामांकन

गजब हरियाणा न्यूज/ब्यूरो

भिवानी । हरियाणा के भिवानी जिले के चांग गांव के जगत सिंह, जो राज्य विद्युत निगम से रिटायर्ड क्लर्क हैं, ने 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया है। यह चौथा मौका है जब जगत सिंह ने देश के शीर्ष संवैधानिक पदों में से किसी एक के लिए नामांकन भरा है। इससे पहले, वे तीन बार राष्ट्रपति चुनाव के लिए भी अपनी किस्मत आजमा चुके हैं, हालांकि हर बार उनका नामांकन खारिज कर दिया गया था। इस बार भी उनके नामांकन के रद्द होने की प्रबल संभावना है।

मुझे पता है दुख क्या होता है

जगत सिंह ने बताया कि उन्होंने 21 अगस्त को नामांकन की आखिरी तारीख पर उपराष्ट्रपति पद के लिए पर्चा भरा। उन्होंने कहा, 'मुझे अनुभव हुआ है कि दुख क्या होता है। सभी विभागों के अंदर मुझे पता है कि क्या-क्या होना चाहिए।' उन्होंने भिवानी-महेन्द्रगढ़ के सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह से मुलाकात के बाद दिल्ली जाकर मेट्रो से यह पर्चा दाखिल किया।

36 साल की सेवा के बाद राजनीति में उतरे

जगत सिंह ने अपना करियर राज्य विद्युत निगम में मीटर रीडर के तौर पर शुरू किया था और 36 साल 2 महीने तक अलग-अलग पदों पर काम करने के बाद 2012 में यूडीसी (अपर डिवीजन क्लर्क) के पद से रिटायर हुए। रिटायरमेंट के बाद उन्होंने 2012, 2017 और 2022 के राष्ट्रपति चुनावों में नामांकन दाखिल किया था, लेकिन उनका नामांकन स्वीकार नहीं हुआ।

चुनावों में मिल चुके हैं कम वोट

जगत सिंह राजनीति में भी सक्रिय रहे हैं। वे अब तक दो बार लोकसभा और एक बार विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं।

2019 लोकसभा चुनाव: भिवानी-महेन्द्रगढ़ सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में 732 वोट मिले।

2024 लोकसभा चुनाव: हिसार लोकसभा सीट से सिर्फ 382 वोट मिले।

2024 विधानसभा चुनाव: भिवानी विधानसभा सीट से मात्र 72 वोटों पर ही संतोष करना पड़ा।

सीपी राधाकृष्णन और बी सुदर्शन रेड्डी के बीच मुख्य मुकाबला

उपराष्ट्रपति चुनाव में मुख्य मुकाबला भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के सीपी राधाकृष्णन और इंडिया ब्लॉक के बी सुदर्शन रेड्डी के बीच है। चुनाव जीतने के लिए उम्मीदवार को कम से कम 394 वोटों की जरूरत होती है। वर्तमान में, 787 सांसदों वाली संसद में एनडीए के पास 422 सांसद हैं, जो राधाकृष्णन को निर्णायक बढ़त देता है। वहीं, इंडिया ब्लॉक के पास लगभग 300 वोट हैं।

पिपली गीता द्वार चौक का रोड सेफ्टी के अनुसार तैयार होगा सुरक्षित और सौन्दर्यीकरण का प्रस्ताव: डीसी

गजब हरियाणा न्यूज/रवींद्र

पिपली । उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि पिपली गीता द्वार राष्ट्रीय राजमार्ग पर अतिक्रमण, गलत साईड पर वाहन चलाने, चौक पर बसों के खड़ा होने के साथ-साथ अन्य कई कारणों से सड़क दुर्घटनाएं हो रही है। इसलिए इन सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सड़क सुरक्षा नीति के अनुसार पिपली गीता द्वार पर स्लीप रोड बनाने के साथ-साथ सौन्दर्यीकरण का कार्य किया जाएगा। इसके लिए एनएचएआई विभाग के अधिकारियों को 30 सितंबर तक योजना तैयार करने के निर्देश दिए है।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा बुधवार को लघु सचिवालय के सभागार में जिला सड़क सुरक्षा कमेटी की मासिक बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। इससे पहले आरटीए निरीक्षक जोगिन्द्र सिंह ढुल ने जिला सडक़ सुरक्षा कमेटी के एजेंडे के तमाम बिंदुओं को हाउस के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि पिपली गीता द्वार का सौन्दर्यीकरण करने के लिए बकायदा पूरी टीम काम करेगी और सभी मिलकर कुरुक्षेत्र के प्रवेश द्वार को भव्य और सुंदर बनाएंगे। इसके साथ ही सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए भी प्रबंध सुनिश्चित किए जाएंगे। इस राष्ट्रीय राजमार्ग पर विभागीय अधिकारी अतिक्रमण को हटाना सुनिश्चित करेंगे और नियमानुसार कार्रवाई भी करेंगे।

उपायुक्त ने कहा कि स्कूलों के विद्यार्थियों की सुरक्षा को सभी अधिकारी गंभीरता के साथ लेंगे इसलिए स्कूल बसों के नियमानुसार सभी मापदंड पूरे होने चाहिए और बिना पासिंग के कोई भी स्कूल बस सड़क पर नहीं चलनी चाहिए। इस मामलें को गंभीरता से लेते हुए आरटीए विभाग के अधिकारी स्कूलों में विजिट करके बसों को चैक करना सुनिश्चित करेंगे। इस मामले में प्रशासन जीरो टोरलैंस पॉलिसी पर कार्य करेगा। उन्होंने पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कैश ट्रीटमेंट स्कीम फॉर आरएसए विक्टिम की योजना का लाभ प्रार्थी को देना सुनिश्चित करे और अस्पताल के संचालकों को सड़क दुर्घटना के घायलों को सरकार के नियमानुसार ईलाज करना होगा।

उन्होंने कहा कि नए बस स्टैंड के सामने खेडी मारकंडा की तरफ जाने वाली सड़क पर पिपली रोड की तरफ पीडब्लयूडी विभाग के अधिकारी स्लीप रोड बनाना सुनिश्चित करेंगे। इससे पहले बिजली विभाग के अधिकारी उस जगह से खंबों को शिफ्ट करेंगे। इस बैठक के अंत में 13 नए बिन्दुओं को हाउस के समक्ष रखा गया। इन तमाम बिन्दुओं पर सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को नियमानुसार कार्रवाई करने के आदेश दिए। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल, एडीसी महावीर प्रसाद, एएसपी प्रतीक गहलोत, एसडीएम अभिनव सिवाच, एसडीएम पंकज सेतिया, डीएमसी अमन कुमार,एसडीएम डा. चिनार चहल, नगराधीश आशीष कुमार, डीएसपी रोहताश सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

सड़कों को दुरुस्त करने के साथ-साथ समय रहते वाइट पट्टी और रिफलेक्टर का प्रस्ताव तैयार करेंगे अधिकारी

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने लोक निर्माण विभाग, नगर परिषद व नगर पालिकाओं तथा अन्य सम्बन्धित एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सर्दियों और धूंध के सीजन से पहले सड़कों पर वाइट पट्टी के साथ-साथ रिफलेक्टर टेप सहित अन्य जरूरी प्रबंध करना सुनिश्चित करे। इसके लिए अपने-अपने विभागों के पास प्रस्ताव भेज कर प्रशासनिक अनुमति व बजट की प्रक्रिया को पूरा कर ले।

प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा मेसर्स डी बी कार्प लिमिटेड प्लाट न.42 & 43 सेक्टर - 29, हुडा, पानीपत से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं0 890 पी, सेक्टर - 4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (9138203233), Registretion Namber: HARHIN/2018/77311